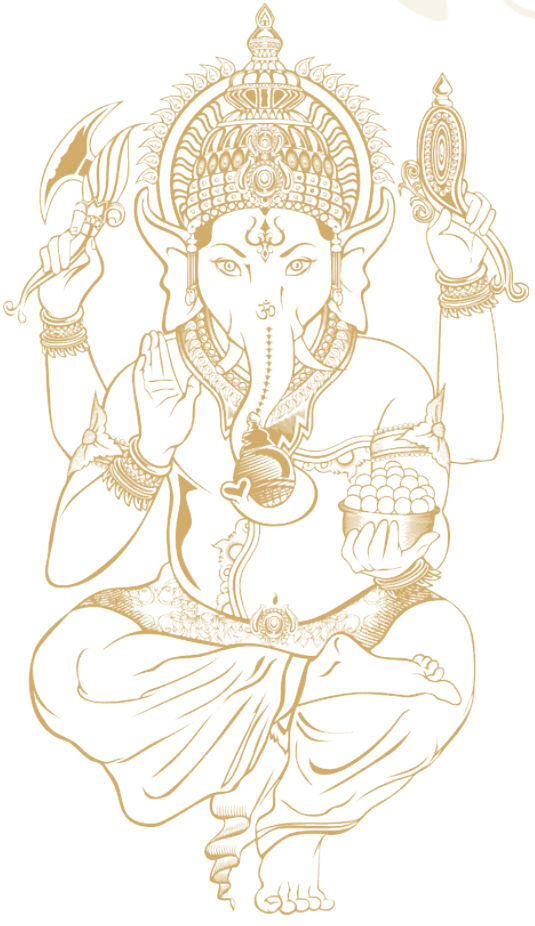

Ajaypal shingh

06 May 1989

03:45 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120899405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/05/1989**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:45:00 घंटे**
इष्ट	54:28:47 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:07:32 घंटे
वेलान्तर	00:03:19 घंटे
साम्पातिक काल	18:02:33 घंटे
सूर्योदय	05:57:29 घंटे
सूर्यास्त	19:11:17 घंटे
दिनमान	13:13:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:40:03 मेष
लग्न के अंश	07:10:47 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:10:47	500:44:03	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
सूर्य			मेष	21:40:03	00:58:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			मेष	27:46:05	14:53:47	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			मिथु	10:27:16	00:37:08	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			वृष	11:18:26	00:33:51	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
गुरु			वृष	16:55:24	00:13:18	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	29:42:44	01:13:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि	व		धनु	20:04:54	00:01:15	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	08:11:56	00:10:33	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	08:11:56	00:10:33	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	11:19:57	00:01:17	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप	व		धनु	18:32:45	00:00:41	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	20:02:37	00:01:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	06:52:42	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:36

लग्न-चलित

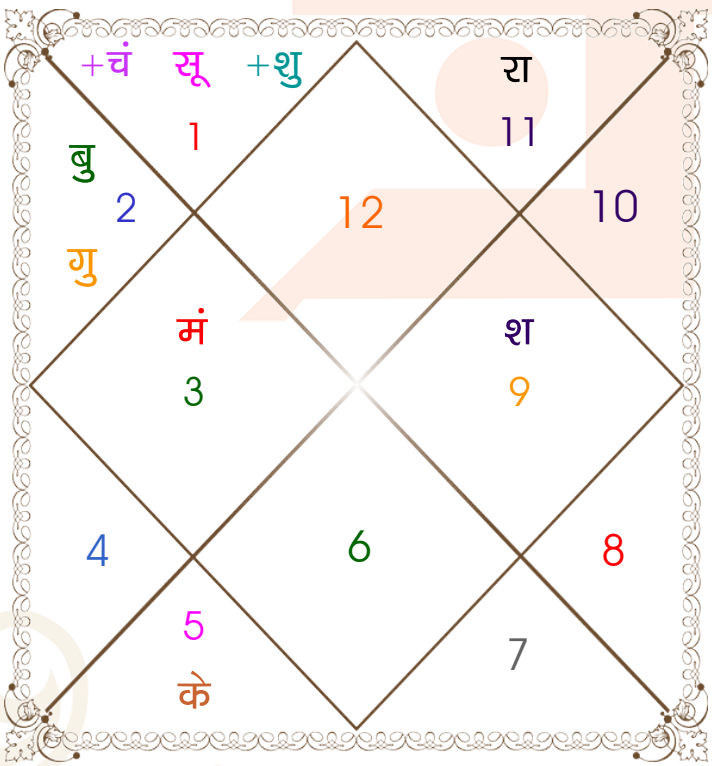

चन्द्र कुंडली

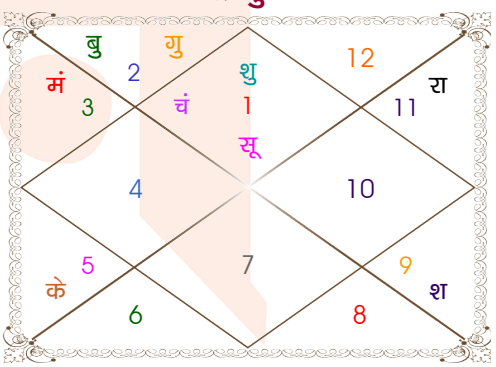

नवमांश कुंडली

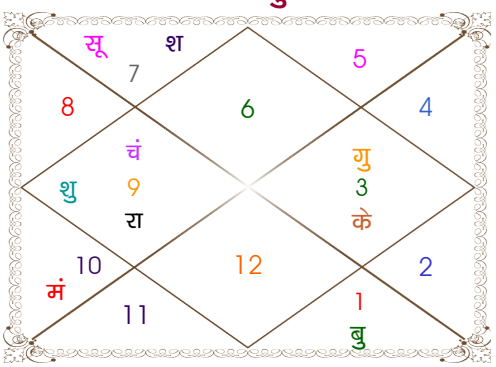

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 6 मास 1 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/05/1989		06/11/1994		06/11/2004		06/11/2011		06/11/2029	
06/11/1994		06/11/2004		06/11/2011		06/11/2029		06/11/2045	
	06/05/1989	चंद्र	07/09/1995	मंगल	04/04/2005	राहु	20/07/2014	गुरु	25/12/2031
चंद्र	25/08/1989	मंगल	07/04/1996	राहु	22/04/2006	गुरु	12/12/2016	शनि	07/07/2034
मंगल	31/12/1989	राहु	06/10/1997	गुरु	29/03/2007	शनि	19/10/2019	बुध	12/10/2036
राहु	24/11/1990	गुरु	05/02/1999	शनि	07/05/2008	बुध	08/05/2022	केतु	18/09/2037
गुरु	13/09/1991	शनि	06/09/2000	बुध	04/05/2009	केतु	26/05/2023	शुक्र	19/05/2040
शनि	25/08/1992	बुध	05/02/2002	केतु	30/09/2009	शुक्र	26/05/2026	सूर्य	07/03/2041
बुध	01/07/1993	केतु	06/09/2002	शुक्र	30/11/2010	सूर्य	19/04/2027	चंद्र	07/07/2042
केतु	06/11/1993	शुक्र	07/05/2004	सूर्य	07/04/2011	चंद्र	18/10/2028	मंगल	13/06/2043
शुक्र	06/11/1994	सूर्य	06/11/2004	चंद्र	06/11/2011	मंगल	06/11/2029	राहु	06/11/2045

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/11/2045		06/11/2064		06/11/2081		06/11/2088		07/11/2108	
06/11/2064		06/11/2081		06/11/2088		07/11/2108		00/00/0000	
शनि	09/11/2048	बुध	04/04/2067	केतु	04/04/2082	शुक्र	07/03/2092	सूर्य	24/02/2109
बुध	20/07/2051	केतु	31/03/2068	शुक्र	04/06/2083	सूर्य	07/03/2093	चंद्र	07/05/2109
केतु	28/08/2052	शुक्र	30/01/2071	सूर्य	10/10/2083	चंद्र	06/11/2094		00/00/0000
शुक्र	28/10/2055	सूर्य	07/12/2071	चंद्र	10/05/2084	मंगल	06/01/2096		00/00/0000
सूर्य	09/10/2056	चंद्र	07/05/2073	मंगल	06/10/2084	राहु	06/01/2099		00/00/0000
चंद्र	11/05/2058	मंगल	04/05/2074	राहु	25/10/2085	गुरु	07/09/2101		00/00/0000
मंगल	19/06/2059	राहु	21/11/2076	गुरु	01/10/2086	शनि	07/11/2104		00/00/0000
राहु	25/04/2062	गुरु	27/02/2079	शनि	09/11/2087	बुध	08/09/2107		00/00/0000
गुरु	06/11/2064	शनि	06/11/2081	बुध	06/11/2088	केतु	07/11/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 6 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।